महेश वंदना

किस विधि वंदन करू तिहारो – ओढरदानी त्रिपुरारी
बलिहारी – बलिहारी – जय महेश बलिहारी !! धृ !!

नयन तीन उपवीत भुजंगा, शशि ललाट सोहे सिर गंगा
मुंड माल गल बिच विराजत, महिमा है भारी...
बलिहारी – बलिहारी – जय महेश बलिहारी !! १ !!

कर में डमरू त्रिशुल तिहारे, कटी में हर वाघंबर धारे
उमा सहित हीम शैल विराजत, शोभा है न्यारी.....
बलिहारी – बलिहारी – जय महेश बलिहारी !! २ !!

पल में प्रभु तुम प्रलयंकर, पल प्रभो सदय उभयंकर
ऋषी मुनि भेद न पाये तिहारो, हम तो है संसारी....
बलिहारी – बलिहारी – जय महेश बलिहारी !! ३ !!

अगम निगम तब भेद न जाने, ब्रम्हा विष्णु सदा शिव माने
देवो के ओ महादेव अब, रक्षा करो हमारी...
बलिहारी – बलिहारी – जय महेश बलिहारी !! ४ !!

किस विधि वंदन करू तिहारो – ओढरदानी त्रिपुरारी
बलिहारी – बलिहारी – जय महेश बलिहारी !! धृ !!

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15193/title/mahesh-vandana

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |